कार्यालय उत्तराखण्ड जैव विविधता बोर्ड, देहरादून।

ई–मेल : sbbuttarakhand@gmail.com
वेबसाइट : www.sbb.uk.gov.in
423, इन्दिरा नगर कॉलोनी (निकट गलिक चौक),
देहरादून–248006 (टेलीफैक्स - 0135-2769886)

पत्रांक: 138 /जै०वि०बो०–16–3 (14th बोर्ड बैठक) दिनांक 2, अगस्त, 2019

सेवा में,

1. मुख्य वन संरक्षक, प्रशासन
वन्यजीव सुरक्षा एवं आसूचना,
उत्तराखण्ड, देहरादून
प्रमुख वन संरक्षक, उत्तराखण्ड द्वारा नामित।
(पदेन सदस्य, उत्तराखण्ड जैव विविधता बोर्ड)

2. निदेशक,
पशुपालन विभाग,
पशुधन भवन, मोथरोंवाला, उत्तराखण्ड देहरादून
(पदेन सदस्य, उत्तराखण्ड जैव विविधता बोर्ड)।

3. निदेशक,
कृषि विभाग,
नन्दा की चौकी, प्रेमनगर, देहरादून
(पदेन सदस्य, उत्तराखण्ड, जैव विविधता बोर्ड)।

4. निदेशक,
जनजाति कल्याण विभाग,
शहीद भगत सिंह कॉलोनी, अघोईवाला, पोस्ट डालनवाला, देहरादून।
(पदेन सदस्य उत्तराखण्ड जैव विविधता बोर्ड)

5. निदेशक,
जड़ी–बूटी शोध संस्थान, गोपेश्वर चमोली।
(विशेषज्ञ सदस्य, उत्तराखण्ड जैव विविधता बोर्ड)।

6. डा० जी०एस० रावत,
डीन,
निदेशक, भारतीय वन्य जीव संस्थान, चन्द्रबनी, देहरादून द्वारा नामित प्रतिनिधि। (विशेषज्ञ सदस्य, उत्तराखण्ड जैव विविधता बोर्ड)।

7. डा० आर०के० मैखुरी, वैज्ञानिक–जी
गढ़वाल क्षेत्रीय केन्द्र, श्रीनगर (गढ़वाल)
निदेशक, गो.बी. पन्त राष्ट्रीय हिमालयी पर्यावरण एवं सतत् विकास संस्थान, कोसी कटारमल, अल्मोड़ा, द्वारा नामित प्रतिनिधि (विशेषज्ञ सदस्य, उत्तराखण्ड जैव विविधता बोर्ड)।

8. निदेशक,
भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण संस्थान,
कौलागढ़, रोड, देहरादून या नामित प्रतिनिधि (विशेषज्ञ सदस्य, उत्तराखण्ड जैव विविधता बोर्ड)।

विषयः उत्तराखण्ड जैव विविधता बोर्ड की चौदहवीं (14th) बोर्ड बैठक दिनांक 25.07.2019 का कार्यवृत्त।

महोदय,

दिनांक 25.07.2019 को उत्तराखण्ड जैव विविधता बोर्ड की चौदहवीं (14th) बोर्ड बैठक का कार्यवृत्त आपको सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु संलग्न कर प्रेषित किया जा रहा है।

संलग्नक–यथोपरि (कार्यवृत्त की प्रति)।

भवदीय,

02/08/19

(एस०एस० रसाईली)
सदस्य–सचिव,
उत्तराखण्ड जैव विविधता बोर्ड,
देहरादून।

Seen
Chairman

KTO

पत्रांक: 138 /16–3 (14th बोर्ड बैठक) तद्दिनांकित।

प्रतिलिपि: निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित।

1. अध्यक्ष, उत्तराखण्ड जैव विविधता बोर्ड, देहरादून।
2. अपर सचिव, वन एवं पर्यावरण अनुभाग–3 उत्तराखण्ड शासन
3. निदेशक, वन अनुसंधान संस्थान (एफ०आर०आई०), न्यू फॉरेस्ट, देहरादून।
4. निदेशक, उद्यान एवं खाद्य प्रसंस्करण उद्यान भवन, चौबटिया रानीखेत, अल्मोडा।
5. निदेशक, मत्स्य पालन, बडासी ग्रान्ट, धन्याडी, रायपुर, उत्तराखण्ड, देहरादून।
6. प्रभारी, भारतीय प्राणी सर्वेक्षण, 292, कौलागढ रोड, देहरादून।
7. गार्ड बुक हेतु।

02/08/19

(एस०एस० रसाईली)
सदस्य–सचिव,
उत्तराखण्ड जैव विविधता बोर्ड,
देहरादून।

उत्तराखण्ड जैव विविधता बोर्ड, देहरादून की चौदहवीं (14th) बोर्ड बैठक दिनांक 25 जुलाई, 2019 का कार्यवृत्तः–

उत्तराखण्ड जैव विविधता बोर्ड की चौदहवी (14th) बोर्ड बैठक डा० धनन्जय मोहन, अध्यक्ष, उत्तराखण्ड जैव विविधता बोर्ड की अध्यक्षता में दिनांक 25.07.2019 को बोर्ड कार्यालय, देहरादून में सम्पन्न हुई। बैठक में निम्नलिखित सदस्यगण उपस्थित हुए –

क्र०सं०	अधिकारी का नाम	पदनाम
1.	डा० सी०एस० सनवाल	निदेशक, जड़ी–बूटी शोध संस्थान, गोपेश्वर चमोली।
2.	डा० एस०के० बिन्जौला	संयुक्त निदेशक, पशुपालन विभाग, उत्तराखण्ड, देहरादून
3.	डा० आर०के० मैखुरी	वैज्ञानिक–जी, गढ़वाल क्षेत्रीय केन्द्र, श्रीनगर (गढ़वाल) निदेशक, गो.बी. पन्त राष्ट्रीय हिमालयी पर्यावरण एवं सतत् विकास संस्थान, कोसी कटारमल, अल्मोड़ा
4.	डा० गौरव शर्मा	वैज्ञानिक–ई, भारतीय प्राणी सर्वेक्षण, कौलागढ़ रोड, देहरादून
5.	डा० वी०एम० सतीश कुमार	भारतीय प्राणी सर्वेक्षण, कौलागढ़ रोड, देहरादून
6.	डा० बी०पी० मधवाल	निदेशक, मत्स्य पालन विभाग, बड़ासी ग्रान्ट, धन्याडी, रायपुर, देहरादून
7.	अर्पना हल्दिया	संयुक्त निदेशक, मत्स्य पालन विभाग, बड़ासी ग्रान्ट, धन्याडी, रायपुर, देहरादून
8.	श्री बिवाश पाण्डव	भारतीय वन्य जीव संस्थान, चन्द्रबनी, देहरादून
9.	डा० अनूप चन्द्रा	हैड वनस्पति संकाय, एफ०आर०आई०, देहरादून
10.	डा० सुरेश राम	संयुक्त निदेशक, उद्यान विभाग, सर्किट हाउस, देहरादून
11.	श्री धनंजय प्रसाद	उप–निदेशक, उत्तराखण्ड जैव विविधता बोर्ड, देहरादून
12.	श्री एस०एस० रसाईली	सदस्य–सचिव, उत्तराखण्ड जैव विविधता बोर्ड, देहरादून

इस कार्यालय के पत्रांक 40/जै०वि०बो०–16–3 दिनांक 11.07.2019 द्वारा बोर्ड बैठक का ऐजेण्डा बोर्ड के सभी सदस्यों/आमंत्रियों को प्रेषित कर दिया गया था। बोर्ड में ऐजेण्डे के अनुसार विभिन्न विषयों पर हुये विचार–विमर्श व लिये गये निर्णयों का विवरण निम्नानुसार है–

1. **एजेण्डा नं०–1: बोर्ड के सदस्यों व विशेष आमंत्री का स्वागत :–**

सदस्य–सचिव, उत्तराखण्ड जैव विविधता बोर्ड द्वारा अध्यक्ष तथा सम्मानित सदस्यों व विशेष आमंत्री (निदेशक, मत्स्य पालन विभाग) का स्वागत किया गया। अध्यक्ष, उत्तराखण्ड जैव विविधता बोर्ड तथा अन्य समस्त प्रतिभागियों का सादर स्वागत करने के उपरान्त सदस्य–सचिव, उत्तराखण्ड जैव विविधता बोर्ड द्वारा बोर्ड के क्रियाकलापों के सम्बन्ध में निम्न प्रकार अवगत कराया गया :–

i. वर्तमान तक कुल 5502 जैव विविधता प्रबन्ध समितियों (BMC) का गठन किया जा चुका है।

ii. वर्तमान तक कुल 183 लोक जैव विविधता पंजिका (पी०बी०आर०) एवं जैव–सांस्कृतिक समुदाय संलेख (बी०सी०पी०) विभिन्न टी०एस०जी० के माध्यम से निरूपित किये जा रहे है जिसमे से 59 पी०बी०आर० व

बी०सी०पी० के ड्राफ्ट कार्यालय में प्राप्त हो चुके हैं इनमें से 13 पी०बी०आर० व बी०सी०पी० प्रकाशित हो चुके हैं तथा अन्य शेष को अन्तिम रूप देकर प्रकाशन योग्य बनाया जा रहा है।

iii. Himalayan Institute for Sustainable Environment & Research Society (HISER Society) F- 46, THDC Colony, Ajabpur Kalan, Dehradun के पत्र दिनांक 15.04.2019 के क्रम में दिनांक 22.04.2019 को दून विश्वविद्यालय, देहरादून के सभागार में पृथ्वी दिवस के अवसर पर जैव विविधता संरक्षण के उद्देश्य से *'Stakeholder workshop on Indo-Nepal Transboundary Vulture Conservation Issues'* नामक कार्यशाला का आयोजन किया गया। बोर्ड द्वारा HISER संस्था को उक्त कार्यशाला हेतु ₹25,000/– मात्र की धनराशि वित्तीय सहायता के रूप में प्रदान की गयी।

iv. WWF Magyarorszag Almos Vezerutja, Budapest, Hungary के निमंत्रण पत्र दिनांक 14.03.2019 के क्रम में सदस्य–सचिव, उत्तराखण्ड जैव विविधता बोर्ड, देहरादून द्वारा दिनांक 23–27, अप्रैल, 2019 को *"FairWild Forum", an international training, networking and professional development event focused on the verification of sustainable wild plant collection according to principles of the FairWild Standard* नामक कार्यशाला में *Hungary* में प्रतिभाग किया गया।

v. वर्ष 2019 में अन्तर्राष्ट्रीय जैव विविधता दिवस मनाया गया जिसकी थीम ***हमारी जैव विविधता, हमारा भोजन, हमारा स्वास्थ्य*** **(Our Biodiversity, Our Food, Our Health)** थी। मुख्य कार्यक्रम उत्तराखण्ड राज्य विज्ञान एवं तकनीकी परिषद, विज्ञान धाम, झाझरा, प्रेमनगर, देहरादून स्थित परिसर में आयोजित किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि श्री आनन्द वर्धन, *आई०ए०एस०*, प्रमुख सचिव, उत्तराखण्ड शासन थे। कार्यक्रम में की–नोट व्याख्यान डा० राजेन्द्र डोभाल, महानिदेशक, यू–कॉस्ट द्वारा दिया गया। इसके अतिरिक्त देहरादून वन प्रभाग के अन्तर्गत मालसी जू, हरिद्वार तथा नैनीताल वन प्रभाग तथा Maaty Biodiversity Conservation & Societal Research Organization, Dehradun द्वारा भी कार्यक्रम आयोजित किये गये।

vi. अध्यक्ष, उत्तराखण्ड जैव विविधता बोर्ड, देहरादून की अध्यक्षता में *उत्तराखण्ड जैव विविधता बोर्ड द्वारा गठित Research Advisory Committee की बैठक* दिनांक 23.05.2019 को बोर्ड कार्यालय में आयोजित की गयी।

vii. भारतीय वन अनुसंधान संस्थान, देहरादून के पत्र संख्या: 1-34(99)/DRI/2019/RCS/Research & Coordination Setcion दिनांक 14.05.2019 के निमंत्रण पत्र के क्रम में अध्यक्ष, उत्तराखण्ड जैव विविधता बोर्ड, देहरादून द्वारा दिनांक 03.06.2019 को *"Regional Research Conference"* लखनऊ में प्रतिभाग किया गया।

viii. भारतीय वन्यजीव संस्थान, देहरादून के निमंत्रण पत्र दिनांक 28.05.2019 के क्रम में सदस्य–सचिव, उत्तराखण्ड जैव विविधता बोर्ड, देहरादून द्वारा दिनांक 04 से 11 जून, 2019 को *"Terminal workshop of Landscape management strategy SECURE Himalaya Project in Uttarkashi and Pithoragarh"* नामक कार्यशाला में जनपद उत्तरकाशी के अन्तर्गत विभिन्न स्थानों में आयोजित बैठकों में प्रतिभाग किया गया।

ix. भारत सरकार, पर्यावरण वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय, भारत सरकार के पत्र संख्या: 3-58/Trg.1/CASFOS/Convocation/2017-19/631 दिनांक 12.06.2019 के निमंत्रण पत्र के क्रम में अध्यक्ष, उत्तराखण्ड जैव विविधता बोर्ड, देहरादून द्वारा दिनांक 18.06.2019 को *"Convocation of 2017-19 Batch of State Forest Service Officers"* एफ०आर०आई०, देहरादून में प्रतिभाग किया गया।

x. उत्तराखण्ड राज्य आर्द्रभूमि प्राधिकरण, उत्तराखण्ड, देहरादून के पत्र संख्या: 507/3–1(2) दिनांक 14.06.2019 के क्रम में सदस्य–सचिव, उत्तराखण्ड जैव विविधता बोर्ड, देहरादून द्वारा दिनांक 17.06.2019 को "आर्द्रभूमि प्राधिकरण की प्रथम राज्य स्तरीय बैठक" में प्रतिभाग किया गया।

xi. सदस्य–सचिव, उत्तराखण्ड जैव विविधता बोर्ड, देहरादून की अध्यक्षता में दिनांक 19.07.2019 को जैव विविधता प्रबन्ध समिति के अध्यक्ष, सदस्यों एवं पदेन सचिवों का बी०एम०सी० संचालन पर एक दिवसीय क्षमता विकास प्रशिक्षण कार्यक्रम सुमन क्यारी, नैनबाग, टिहरी गढ़वाल में आयोजित किया गया।

xii. जैव संसाधनों का वाणिज्यिक उपयोग करने वाले संस्थानों/उद्योगों/व्यापारियों के विरूद्ध अद्यतन 1257 नोटिस निर्गत किये जा चुके हैं। दिनांक 12.03.2019 तक लाभ के सहभाजन (ABS) के क्रम में विभिन्न उद्योगों से कुल 107 अनुबंध पत्र (MAT Agreement) हस्ताक्षरित किये जा चुके हैं। वर्तमान तक विभिन्न औद्योगिक संस्थानों से जैव संसाधनों के वाणिज्यिक उपयोग से सम्बन्धित फीस के रूप में ₹42,70,000/– की धनराशि प्राप्त हुई है। इसके अतिरिक्त वाणिज्यिक उपयोग से प्राप्त लाभ के सहभाजन (ABS) के रूप में ₹5,12,59,358/– मात्र **(कुल ₹5,55,29,358/–)** की धनराशि प्राप्त हुई है।

2. एजेण्डा नं०–2: **<u>बोर्ड के वित्तीय वर्ष 2018–19 के आय–व्यय का बोर्ड का अनुमोदन प्राप्त करना :–</u>**

(i) बोर्ड के वित्तीय वर्ष 2018–19 के आय–व्यय का बोर्ड का अनुमोदन प्राप्त किया गया :–

<u>उत्तराखण्ड जैव विविधता बोर्ड के वित्तीय वर्ष 2018–19 के निम्न मदवार आय–व्यय का विवरण:–</u>

क्र. सं.	मद	आय का विवरण/स्रोत	व्यय की धनराशि
		1. वन विभाग, उत्तराखण्ड के माध्यम से प्राप्त (20 सहायक अनुदान) –₹ 52,00,000.00 2. NBA, Chennai (Wages) –₹ 11,19,672.00 3. NBA, Chennai (IBD-2018) – ₹ 3,33,065.00 4. UNDP – ₹ 7,50,000.00 State Biodiversity Action Plan (SBSAP) को National Biodiversity Action Plan (NBAP) व इसमें निर्दिष्ट 12 National Target के अन्तर्गत pilot Project हेतु Submission of Inception report and a work plan के लिये प्रथम प्रथम किश्त (50%) 5. Sale of Books (Dr Rakesh Shah) –₹ 8,700.00 6. वन विभाग, उत्तराखण्ड के माध्यम से (Prepration & Conservatio Sacred BHS) –₹ 9,65,000.00	

		7. Madhya Pradesh Biodiversity Board (IBC-2018)—₹ 5,00,000.00 8. West Bengal Biodiversity Board (IBC-2018) —₹ 50,000.00 9. Bank Interest —₹ 5,67,157.00	
1	व्यवसायिक सेवायें संविदा/आउटसोर्स के माध्यम से प्राप्त सेवायें रिसर्च ऑफिसर, परियोजना समन्वयक, डी०टी०पी० ऑपरेटर ग्राफिक डिजाईनर, टैक्निकल एसोसिएट (डाटाबेस मेनेजमेंट), कम्प्यूटर ऑपरेटर, मशीन मैन, डाक रनर, चौकीदार, अर्दली, कार्यालय सेवक, वाहन चालक, स्वीपर (पार्ट टाईम) एवं माली (पार्ट टाईम) आदि		48,37,728.00
2	यात्रा व्यय		1,82,415.00
3	मानदेय		7,500.00
4	विद्युत व्यय		94,374.00
5	जलकर		8,106.00
6	टेलीफोन व्यय		1,00,276.00
7	लेखन सामग्री		80,812.00
8	कार्यालय व्यय		1,83,321.00
9	कार्यालय फर्नीचर		4,60,689.00
10	मोटर गाड़ियों की अनुरक्षण, पैट्रोल व खरीद		9,81,305.00
11	किराया उपशुल्क कर		8,40,000.00
12	प्रकाशन		4,43,665.00
13	आतिथ्य व्यय		56,496.00
14	मशीन सज्जा और सयंत्र		4,68,087.00
15	कम्प्यूटर अनुरक्षण व तत्तसंबधी स्टेशनरी का क्रय		1,79,618.00
16	चिकित्सा प्रतिपूर्ति पर व्यय		1,83,479.00
17	अन्य व्यय		9,10,894.00
18	प्रशिक्षण व्यय/कार्यशाला		41,520.00
19	पुस्तकालय व्यय		74,439.00
20	पी.बी.आर. निरूपण		46,50,000.00
21	बी.एम.सी. गठन		50,000.00
22	BIOFIN (UNDP)		11,10,000.00
23	अंतराष्ट्रीय जैव विविधता दिवस (IBD)		3,33,065.00
24	बी.एच.एस.		2,50,000.00
	योग—	94,93,594.00 (Opening Balance ₹1,79,00,984.50)	1,65,26,779.00
1	उत्तराखण्ड जैव विविधता बोर्ड द्वारा विभिन्न ऐसे उपक्रमों/निगमित निकायों/संगठनों/ संस्थाओं जो जैव संसाधनों के वाणिज्यिक उपयोग, जैव संरक्षण और जैविक उपयोग करते है/कर रहे हैं से जैव विविधता अधिनियम, 2002 में निहित प्रावधानों के अन्तर्गत प्राप्त फीस	राज्य जैव विविधता निधि फण्ड से वर्ष 2018—19 में कुल प्राप्त धनराशि — 1,28,72,868.00 बैंक ब्याज — 11,24,998.00	
2	व्यवसायिक सेवायें (आउटसोर्स के माध्यम से प्राप्त सेवा टैक्निकल रिसोर्स पर्सन एवं अधिवक्ता		39,14,671.00

	की फीस), कार्यालय व्यय, यात्रा व्यय, मोटर गाडियो का अनुरक्षण, लेखन सामग्री, अतिथ्य व्यय, अन्य व्यय, पुस्तकालय व्यय, कार्यशाला, IBD एवं आयकर			
	योग–		**1,39,97,866.00**	**39,14,671.00**
1	National Mission on Himalayan Studies G.B. Pant National Institute of Himalayan Environment and Sustainable Development, Kosi Katarmal, Almora Ref. No. NMHS-2017-18/MG-33/567 dated 26.02.2018	Bank Interest	1,00,08,400.00 2,00,522.00	78,50,040.00
	Total		**1,02,08,922.00**	**78,50,040.00**

(i) **वित्तीय वर्ष 2018–19 के आय–व्यय का सारांश**

Account Name	Income	Expenditure	Balance Forward to next Financial Year 2019-20
Board Fund Account (Opening Balance ₹1,79,00,964.60)	94,93,594.00	1,65,26,779.00	1,08,67,809.60
State Biodiversity Nidhi Fund	1,39,97,866.00	39,14,671.00	1,00,83,195.00
NMHS Fund	1,02,08,922.00	78,50,040.00	23,58,882.00
Secure Himalaya Fund	22,10,670.00	-	22,10,670.00
Total	**3,59,11,052.00**	**2,82,91,490.00**	**2,55,20,566.60**

बिन्दु संख्या: (i) व (ii) पर बोर्ड का अनुमोदन प्राप्त किया गया।

3. एजेण्डा नं०–3: **बोर्ड के पुस्तक प्रकाशन के नीति निर्धारण प्रस्ताव का अनुमोदन प्राप्त करना :–**

पुस्तक प्रकाशन की प्रस्तावित नीति (संलग्न–1) आदि को बोर्ड द्वारा निम्न बिन्दुओं को समायोजित करने के सुझाव के साथ अनुमोदित किया गया :–

1. पुस्तक के लेखक को उचित मानदेय देकर सम्मानित किया जाये।
2. पुस्तक के लेखक को सम्मान प्रदान करना तथा पुस्तक के व्यापक प्रचार–प्रसार हेतु पुस्तक का विमोचन किसी सार्वजनिक समारोह में किया जाये।
3. कॉपी राईट :– पुस्तक का कॉपी राईट, कॉपी राईट अधिनियम, 1957 के अनुरूप होगी।

बोर्ड द्वारा अनुमोदित पुस्तक प्रकाशित करने की नीति तथा विक्रय मूल्य निर्धारित करने का मुख्य बिन्दु निम्नानुसार है :–

1. बोर्ड द्वारा पुस्तक प्रकाशित करने का मुख्य उद्देश्य प्रदेश में पाये जाने वाले जैव विविधता पर विशेषज्ञों द्वारा अध्ययन कर एकत्रित की गयी महत्वपूर्ण सूचनाओं को पुस्तक के रूप में स्थाई रूप से संधारित करना है ताकि ऐसी महत्वपूर्ण सूचनाओं को भविष्य में प्रदेश के बहुमूल्य जैव विविधता के संरक्षण एवं विकास की योजनायें तैयार करते समय प्रयोग में लाया जा सके।

2. पुस्तक प्रकाशन करने का एक और महत्वपूर्ण उद्देश्य यह भी है कि जैव विविधता के विशेषज्ञों द्वारा एकत्रित किये गये महत्वपूर्ण जानकारियों को पुस्तक का रूप देकर Affordable मूल्य में अथवा विशेष स्थिति में, छात्र–छात्राओं, शोधकर्ताओं, तकनीकी सहायता समूहों, अध्यक्ष जैव विविधता प्रबन्ध समिति, अनुसंधान संस्थानों को निःशुल्क उपलब्ध कराई जा सके।
3. बोर्ड द्वारा पुस्तक प्रकाशित करने का उद्देश्य यह भी है कि प्रदेश अन्तर्गत पाई जाने वाली जैव विविधता तथा जैव विविधता संरक्षण के सम्बन्ध में विभिन्न वर्गों के लोगों के बीच जागरूकता एवं लगाव उत्पन्न करना है। इस उद्देश्य के मद्देनजर बोर्ड द्वारा प्रकाशित पुस्तकों को आवश्यकतानुसार निःशुल्क वितरित भी किया जा सकेगा।
4. उक्त उद्देश्यों की पूर्ति हेतु बोर्ड द्वारा जैव विविधता, जैव संसाधन, जैव विविधता पर आधारित पारम्परिक ज्ञान, प्रदेश की परम्परा आदि विषय पर आधारित पुस्तकें प्रकाशित की जा सकेगी। विशेष परिस्थिति में बोर्ड से पुर्वानुमति लेकर अन्य विषयों की पुस्तक प्रकाशित नी की जा सकेगी।
5. किसी लेखक को पुस्तक लेखन हेतु अभिहस्तांकन (Assignment) किया जाना हो तो इसके लिये बोर्ड की पूर्वानुमति लेना अनिवार्य होगा परन्तु यदि किसी लेखक द्वारा अपनी पुस्तक को बोर्ड की शर्तों पर प्रकाशित करने का अनुरोध किया जाता है तो इस सम्बन्ध में अध्यक्ष, उत्तराखण्ड जैव विविधता बोर्ड द्वारा निर्णय लेते हुये पुस्तक का प्रकाशन किया जा सकता है जिसका बोर्ड से कार्योत्तर स्वीकृति लेनी होगी।
6. प्रथम बार पुस्तक की अधिकतम 500 प्रतियां ही प्रकाशित की जायेगी।
7. पुस्तक का विक्रय मूल्य निम्नानुसार निर्धारित किया जायेगा :–
   क. पुस्तक का मूल्य प्रत्येक पुस्तक के मुद्रण व्यय का दोगुना तक रखी जा सकती है।
   ख. उपरोक्तानुसार निर्धारित मूल्य में क्रेताओं को निम्नानुसार छूट दी जायेगी :–

i.	विद्यार्थियों	– 30% (छात्र परिचय पत्र प्रस्तुत करने पर)।
ii.	शोधकर्ताओं	– 30% (छात्र परिचय पत्र प्रस्तुत करने पर)।
iii.	शोध संस्थानों	– 10%
iv.	राज्य सरकार के सरकारी संस्थानों	– 10%
v.	आम क्रेताओं	– 10%
vi.	अन्य राज्यों	– 05%
vii.	सरकारी शैक्षिक संस्थान	– 10%
viii.	अन्य शैक्षिक संस्थानों	– 05%
ix.	पुस्तक विक्रेताओं	– 20%*

**(पुस्तक विक्रेताओं को इस शर्त के साथ कि वे अपने क्रेताओं को कम से कम 10 प्रतिशत छूट देंगे)*

पुस्तक प्रकाशन हेतु बोर्ड द्वारा प्रस्तावित पुस्तक प्रकाशन नीति, मूल्य निर्धारण तथा विक्रय प्रक्रिया (छूट आदि) पर बोर्ड का अनुमोदन प्राप्त किया गया।

4. एजेण्डा नं०–4: **बोर्ड कार्यालय में आउटसोर्स के माध्यम से प्राप्त सेवाओं का यात्रा व्यय भुगतान के नीति निर्धारण का अनुमोदन प्राप्त करना :–**

उत्तराखण्ड जैव विविधता बोर्ड, देहरादून में आउटसोर्स के माध्यम से प्राप्त सेवाओं हेतु राजकीय यात्राओं के यात्रा तथा स्थगन भत्ता दर बोर्ड द्वारा निम्नानुसार अनुमोदित किया गया है:–

क. **साधारण स्थिति में**

क्र० सं०	सेवा का नाम	पारिश्रमिक प्रतिमाह (₹)	प्रस्तावित यात्रा भत्ता			
			राज्य के भीतर		राज्य के बाहर	
			अवस्थापन (Accomodation) (₹)	दैनिक भत्ता (₹)	अवस्थापन (Accomodation) (₹)	दैनिक भत्ता (₹)
1.	टीम लीडर पी०बी०आर०	40,000.00	1000.00	450.00	2250.00	500.00
2.	अनुसंधान अधिकारी (पी.एच.डी. धारक)	35,000.00	1000.00	450.00	2250.00	500.00
3.	परियोजना समन्वयक	30,000.00	1000.00	450.00	2250.00	500.00
4.	अनुसंधान अधिकारी (एम.एस.सी.)	30,000.00	1000.00	450.00	2250.00	500.00
5.	टैक्निकल एसोसिएट डाटाबेस मैनेजमैन्ट (B.Tech. in CSE)	30,000.00	1000.00	450.00	2250.00	500.00

ख. **विशेष परिस्थिति में**

विशेष परिस्थिति में अध्यक्ष, उत्तराखण्ड जैव विविधता बोर्ड उपरोक्त दरों में स्वयं के स्तर से छूट प्रदान करते हुये उपरोक्तानुसार निर्धारित दर को कम अथवा अधिक किया सकता है।

5. एजेण्डा नं०–5: **अनुसंधान सलाहकार समिति की संस्तुतियों का अनुमोदन प्राप्त करना :–**

विभिन्न व्यक्ति/संस्थानों द्वारा राज्य की जैव विविधता पर अनुसंधान के वित्तीय पोषण हेतु उत्तराखण्ड जैव विविधता बोर्ड के समक्ष निम्न अनुसंधान परियोजनायें प्रस्तुत की गयी थी। इन प्रस्तावों को बोर्ड द्वारा बोर्ड के **अनुसंधान सलाहकार समिति** के समक्ष प्रस्तुत किया गया था:–

S.No	Title of the Project
1.	Distribution and Abundance of MOTH Diversity Across Altitudinal Gradient, Western Himalaya, Uttarakhand
2.	Exploration of CORDYCEPS (ASCOMYCETES) Diversity, Probable Host and Habitat Ecology, Pithoragarh and Bageshwar District, Western Himalaya, Uttarakhand
3.	Assessment of Current Status, Distribution and Threats to Indian BENGAL MONITOR (VARANUS BENGALENSIS) in TAL, Uttarakhand: A Pilot Study to Formulate Conservation and Protection Action Plan
4.	Revaluate the Current Status, Distribution and Potential Threats of MONGOOSE species in TAL, Uttarakhand
5.	To assess the impact of human migration on the biodiversity in the selected villages of Tehri & Uttarkashi districts of Uttarakhand
6.	Strengthening information and streamlining policy framework for MAPs trade in Uttarakhand
7.	Assessing trade dynamics and streamlining policy framework for Caterpillar Fungus in Uttarakhand

8.	A Study on Rare endangered and threatened MAPs outside Govind Wildlife Sanctuary aiming to document utilization pattern of natural resources especially MAPs in areas surrounding Govind Wildlife Sanctuary, Uttarakhand
9.	Population status and threat assessment of Vultures species in highland districts of Uttarakhand.

सदस्य–सचिव, उत्तराखण्ड जैव विविधता बोर्ड द्वारा बोर्ड के सम्मानित सदस्यों को अवगत कराया गया कि बोर्ड के **अनुसंधान सलाहकार समिति** द्वारा उक्त प्रस्तावों का अध्ययन तथा प्रस्तावकों के प्रस्तुतीकरण के आधार पर दिये गये सुझावों को अध्यक्ष, अनुसंधान सलाहकार समिति द्वारा निम्न टिप्पणियों के साथ Approve/Disapprove किया गया :–

S.No	Title of the Project	Comments of the RAC
1.	Distribution and Abundance of MOTH Diversity Across Altitudinal Gradient, Western Himalaya, Uttarakhand	➢ Justification for the proposed study area ➢ Taxonomic Identification of moth species is an important point for the future study. Therefore, the experienced taxonomist is required for this process. ➢ Identification of moth species from Zoological Survey of India is extremely required for the assessment moth diversity. **RAC Recommendations on Project-1:** ***The study area does not represent clearly any specific geo-climatic zone and is also not on the priority area of UBB, hence presently not recommended for approval. However, modified version could be submitted at later stage.***
2.	Exploration of CORDYCEPS (ASCOMYCETES) Diversity: Probable Host and Habitat Ecology, Pithoragarh and Bageshwar District, Western Himalaya, Uttarakhand	➢ Collect the information of host plants which is associated with larvae of cordyceps. ➢ Compile the literature related to host plant species. **RAC Recommendations on Project-2:** ***Project is recommended for approval subject to examination of cost structure; particularly purchase of equipments and incorporating suggestions of the RAC.***
3.	Assessment of Current Status, Distribution and Threats to Indian BENGAL MONITOR (VARANUS BENGALENSIS) in TAL, Uttarakhand: A Pilot Study to Formulate Conservation and Protection Action Plan	➢ The project proposal must include the presently known distribution of the species in Uttarakhand. It should not be difficult to obtain this information from various publications on the species, mainly by the ZSI & WII. ➢ Reasons for confining the study to the Tarai Arch Landscape (TAL) in Uttarakhand must clearly be mentioned in the proposal. ➢ The project proposal does not include detailed literature survey. Inclusion of detailed literature survey is important to rule out duplicity of work and also for justification of the study. ➢ Although the proposed study has been confined to the TAL part of the Uttarakhand, this area too is pretty large and therefore, the time period of the proposed study appears to be disproportionately short. ➢ Detailed methodology and statistical tools to be used for the study must be given in the project proposal. **RAC Recommendations on Project 3 & 4:** ***The Project Proposal on Monitor Lizard and Mongoose are recommended for approval subject to the condition that they are merged into one project and due examination of the cost structure and incorporation of the RAC recommendations in the project.***
4.	Revaluate the Current Status, Distribution and Potential Threats of MONGOOSE species in TAL, Uttarakhand	➢ Since the study area and habitats of mongooses is very similar to that of Bengal Monitor, the proposed studies of these two species can be conducted simultaneously by the same team of researchers.

		This will not only save on time and resources but will also reduce the overall cost of conducting these studies. ➢ The project proposal must include the presently known distribution of the species in Uttarakhand. Information regarding the distribution of Mongoose and Monitor Lizard can be obtained from various publications of the ZSI & WII. ➢ Reasons for confining the study to the Tarai Arch Landscape (TAL) must be mentioned clearly in the proposal. ➢ The project proposal does not include detailed literature survey. Inclusion of detailed literature survey is important to rule out duplicity of work and justification of the study. Detailed literature survey must be given in the proposal. ➢ Although the proposed study has been confined to the TAL part of the Uttarakhand, the time period of the proposed study appears to be too short. ➢ Detailed methodology and statistical tools to be used for the study must be given in the project proposal. Information about Principal Investigator/s (PI) and others to be associated to carry out the project work and the time/ period expected to be devoted by them needs to be mentioned in the project proposal. **RAC Recommendations on Project 3 & 4:** ***The Project Proposal on Monitor Lizard and Mongoose are recommended for approval subject to the condition that they are merged into one project and due examination of the cost structure and incorporation of the RAC recommendations in the project.***
5.	To assess the impact of human migration on the biodiversity in the selected villages of Tehri & Uttarkashi districts of Uttarakhand.	➢ Scope of the proposed research is broad-based and general in nature which might later pose difficulty in analysing data and drawing conclusions. ➢ Literature survey is too scanty for this stage to draw conclusion about the uniqueness and usefulness of this project. ➢ Methodology is not defined properly. ➢ Information about Principal investigators and time each PI will be able to devout to the project not given. **RAC Recommendations on Project-5:** ***The proposed study is important for the conservation of local land races of agricultural, horticultural and Olericulture (vegetable cultivation) and associated traditional knowledge of the hill people. However, the proposal needs to be changed according to the direction given by expert members. The project is approved subject to the condition that suitable changes are made as directed and costing is assessed properly.***
6.	Strengthening information and streamlining policy framework for MAPs trade in Uttarakhand	➢ The methodology of the proposed study should be defined in detail. ➢ Evaluation of those MAP species which are involve in maximum trade and utilization. ➢ Emphasis on trade of MAP species which are banned but collected from wild habitat. ➢ The study should be focus on to find out illegal trading routes and supply chains of MAP's from Uttarakhand. ➢ The project duration should be increased because 18

		months duration is insufficient to collect information on whole trading process. **RAC Recommendations on Project 6:** ***Both projects are approved subject to the condition that they are merged and focussed on only illegal trade on MAP in general and Cordycep species in particular. With these modification, the unified project is recommended for approval, subject to examination of the cost structure.***
7.	Assessing trade dynamics and streamlining policy framework for Caterpillar Fungus in Uttarakhand	➢ The study should be concise and focused on proper trading channels of Cordyceps. ➢ The methodology for the evaluation of cordyceps production and trade should be written properly. ➢ For the actual quantity estimation of collection of cordyceps in the state, it is needed to make a good relationship with local harvesters/collectors. ➢ The proper supply chain for sustainable trading and systematic marketing of cordyceps should be indetified properly to strengthen the conservation status. ➢ The ealier published literature i.e., Negi et al., 2015, 2006; 2017 should be referred to know about the habitat, climatic conditions and collection of caterpillar fungus. ➢ The extracted quantity of Caterpillar fungus is not so easy to estimate because it is extracted illegally. It is found that the collectors earn 98 % of cash income from Nandakini valley, 74.2 % from Dhauliganga valley, and 78 % in Gori valley of Uttarakhand so how this study emphasize on sustainable use. **RAC Recommendations on Project 7:** **Both projects are approved subject to the condition that they are merged and focussed on only illegal trade on MAP in general and Cordycep species in particular. With these modification, the unified project is recommended for approval subject to examination of the cost structure.**
8.	A Study on Rare endangered and threatened MAPs outside Govind Wildlife Sanctuary aiming to document utilization pattern of natural resources especially MAPs in areas surrounding Govind Wildlife Sanctuary, Uttarakhand	➢ The title of the project and study area should be modified in the proposal. ➢ The Priority of study will be decided by board according to their necessity. ➢ Rare, endangered and threatened category does not exist in IUCN category, therefore remove and change the title accordingly. ➢ Six month is very short time period to conduct this type of vast study. ➢ The study should not be generalized, it should be based on specific MAP diversity. **RAC Recommendations on Project-8:** ***It is a generalised study and not a priority area of UBB. Therefore, not recommended for approval.***

9.	Population status and threat assessment of Vultures species in highland districts of Uttarakhand.	➢ The Project proponent is advised to go through the previously published literature on the subject of BNHS. ➢ Species wise estimation of population status of vultures in higher areas of Uttarakhand must be done on a priority basis. ➢ Visit captive breeding centres for vultures in other states of India. ➢ Suggest the Dhamawela area for visiting to study the Vulture population estimation. **RAC Recommendations on Project-9:** **This project was under consideration in the previous RAC meeting and then it was suggested to modify the project as suggested by the RAC. It is now modified version of the same project and hence recommended for approval subject to examination of the cost structure and incorporating suggestions of the RAC.**

उत्तराखण्ड जैव विविधता बोर्ड के अनुसंधान सलाहाकार समिति द्वारा Approve/Disapprove किये गये शोध कार्यों को प्रारम्भ करना अथवा स्थगित करने के सम्बन्ध में निम्नानुसार अनुमोदन दिया गया :–

क. बोर्ड के पास उपलब्ध वित्तीय संसाधन के आधार पर शोध कार्य प्रारम्भ करना अथवा न करने के सम्बन्ध में अध्यक्ष तथा सदस्य–सचिव, उत्तराखण्ड जैव विविधता बोर्ड द्वारा निर्णय लिया जाये।

ख. प्रस्तावित शोध कार्यों के सम्बन्ध में बोर्ड द्वारा निम्नानुसार निर्णय लिया गया :–

S.No	Title of the Project	Comments of the Board Members
1.	Distribution and Abundance of MOTH Diversity Across Altitudinal Gradient, Western Himalaya, Uttarakhand	Project not recommended by the RAC hence should not be taken up for financial assistance by the Board.
2.	Exploration of CORDYCEPS (ASCOMYCETES) Diversity, Probable Host and Habitat Ecology, Pithoragarh and Bageshwar District, Western Himalaya, Uttarakhand	Given the limited fund available with the Board, such Research projects should be taken up only when enough funds are available.
3.	Assessment of Current Status, Distribution and Threats to Indian BENGAL MONITOR (VARANUS BENGALENSIS) in TAL, Uttarakhand: A Pilot Study to Formulate Conservation and Protection Action Plan	Given the huge threat of poaching for commercial consideration, combined project on Bengal Monitor and Mongoose must be taken up immediately.
4.	Revaluate the Current Status, Distribution and Potential Threats of MONGOOSE species in TAL, Uttarakhand	
5.	To assess the impact of human migration on the biodiversity in the selected villages of Tehri & Uttarkashi districts of Uttarakhand.	This study must be given priority for conservation of Agro Biodiversity & Associated Traditional Knowledge
6.	Strengthening information and streamlining policy framework for MAPs trade in Uttarakhand	Given the limited fund available with the Board, such Research projects should be taken up only when enough funds are available.
7.	Assessing trade dynamics and streamlining policy framework for Caterpillar Fungus in Uttarakhand	Given the limited fund available with the Board, such Research projects should be taken up only when enough funds are available.
8.	A Study on Rare endangered and threatened MAPs outside Govind Wildlife Sanctuary aiming to document utilization pattern of natural resources especially MAPs in	Project not recommended by RAC so should not be considere for finance.

	areas surrounding Govind Wildlife Sanctuary, Uttarakhand	
9.	Population status and threat assessment of Vultures species in highland districts of Uttarakhand.	Given the immediate threat to Vultures, this project should be taken up immediately.

उत्तराखण्ड जैव विविधता बोर्ड के वित्तीय पोषण हेतु प्रस्तावित शोध/अध्ययन कार्यों के सम्बन्ध में बोर्ड के अनुसंधान सलाहकार समिति के अनुमोदन/आपत्ति के क्रम में केवल निम्न शोध कार्यों को बोर्ड द्वारा वित्तीय पोषण करने का अनुमोदन किया जाता है :–

S.No	Title of the Project	Comments of the Board Members
1.	Assessment of Current Status, Distribution and Threats to Indian BENGAL MONITOR (VARANUS BENGALENSIS) in TAL, Uttarakhand: A Pilot Study to Formulate Conservation and Protection Action Plan	Given the huge threat of poaching for commercial consideration, combined project on Bengal Monitor and Mongoose must be taken up immediately.
2.	Revaluate the Current Status, Distribution and Potential Threats of MONGOOSE species in TAL, Uttarakhand	
3.	To assess the impact of human migration on the biodiversity in the selected villages of Tehri & Uttarkashi districts of Uttarakhand.	This study must be given priority for conservation of Agro Biodiversity & Associated Traditional Knowledge.
4.	Population status and threat assessment of Vultures species in highland districts of Uttarakhand.	Given the immediate threat to Vultures, this project should be taken up immediately.

6. एजेण्डा नं०–6: <u>अध्यक्ष महोदय की अनुमति से अन्य बिन्दु</u> :–

क. वर्ष 2017–18 की वार्षिक रिपोर्ट का अनुमोदन

उत्तराखण्ड जैव विविधता बोर्ड द्वारा वर्ष 2017–18 की वार्षिक रिपोर्ट प्रकाशित की गयी है। जिस पर बोर्ड का अनुमोदन प्राप्त किया गया।

ख. बोर्ड के वित्तीय पोषण में किये जाने वाले अनुसंधान/अध्ययन के मानक तय करना

क. बोर्ड के वित्तीय पोषण में अनुसंधान/अध्ययन कराने हेतु एक नीति तथा कार्य पद्धति विकसित की जाये।

क. बोर्ड के वित्तीय पोषण में किये जाने वाले अनुसंधान/अध्ययन के विषय को बोर्ड के Mandate के अनुरूप प्राथमिकता निर्धारित की जाये।

ख. बोर्ड के वित्तीय पोषण में किये जाने वाले अनुसंधान/अध्ययन के विषय निर्धारित करने हेतु बोर्ड के विशेषज्ञ सदस्यों द्वारा विषय सूची उपलब्ध करा दी जाय।

ग. प्रदेश के जैव विविधता एवं जैव संसाधनों पर विभिन्न संस्थानों द्वारा किये गये /किये जा रहे अनुसंधान/अध्ययन कार्य के सम्बन्ध में सूचना संकलित की जाये ताकि प्रस्तावित शोध कार्य को स्वीकृत/अस्वीकृत करने के सम्बन्ध में निर्णय लिया जा सके।

घ. पहाड़ी तथा दूर–दराज के क्षेत्र से पलायन का क्षेत्र के कृषि जैव विविधता/पालतू पशु जैव विविधता तथा सम्बन्धित पारम्परिक ज्ञान पर पड़ रहा प्रतिकूल प्रभाव का अध्ययन करके ऐसे बहुमूल्य जैव विविधता तथा सम्बन्धित पारम्परिक ज्ञान के संरक्षण हेतु नीति

तथा कार्ययोजना तैयार करना आवश्यक है। अतः इस सम्बन्ध में अनुसंधान/अध्ययन कराया जाये।

ङ. जलवायु परिवर्तन के कारण क्षेत्र की कृषि तथा पालतू पशु जैव विविधता पर पड रहे प्रतिकूल प्रभाव का अध्ययन करके इसका निराकरण हेतु शोध कार्य किया जाना आवश्यक है।

ग. जैव विविधता अधिनियम, 2002 के परिपेक्ष मे बोर्ड का Vision Statement निर्धारित करना

जैव विविधता अधिनियम, 2002 में प्राविधानित विभिन्न प्राविधानों के सापेक्ष बोर्ड का Vision Statement निर्धारित किया जाये ताकि इस Vision Statement के अनुसार बोर्ड द्वारा विभिन्न शोध कार्य किये जा सके।

अनुमोदित

(डा० धनन्जय मोहन)
अध्यक्ष,
उत्तराखण्ड जैव विविधता बोर्ड,
देहरादून

02/08/19

(एस०एस० रसाईली)
सदस्य–सचिव
उत्तराखण्ड जैव विविधता बोर्ड,
देहरादून